



Hargharpanditji

॥ शुक्रवार व्रत का उद्देश्य ॥
॥ ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ शुक्रवार व्रत का उद्देश्य ॥

शुक्रवार का व्रत मुख्य रूप से माता लक्ष्मी, संतोषी माता तथा शुक्र देव की कृपा प्राप्त करने के लिए रखा जाता है। यह व्रत सुख, समृद्धि, प्रेम, सौभाग्य और पारिवारिक शांति की कामना से किया जाता है।

शुक्रवार व्रत के प्रमुख उद्देश्य

धन और समृद्धि की प्राप्ति – माता लक्ष्मी की कृपा से आर्थिक स्थिति में सुधार और घर में समृद्धि की कामना की जाती है।

पारिवारिक सुख-शांति – परिवार में प्रेम, सौहार्द और आपसी समझ बढ़ाने के लिए शुक्रवार का व्रत किया जाता है।

वैवाहिक सुख और सौभाग्य – विशेषकर महिलाएँ पति की लंबी आयु, वैवाहिक सुख और दांपत्य जीवन में मधुरता के लिए यह व्रत रखती हैं।

शुक्र ग्रह को मजबूत करना – ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार शुक्रवार शुक्र ग्रह से संबंधित है। शुक्र की अनुकूलता से प्रेम, कला, सौंदर्य, भौतिक सुख और वैवाहिक जीवन से जुड़े मामलों में सकारात्मकता की कामना की जाती है।

मनोकामना पूर्ति – श्रद्धा और नियमपूर्वक व्रत करके अपनी उचित मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की जाती है।

सुख-सुविधाओं की प्राप्ति – जीवन में भौतिक सुख, सुंदरता, ऐश्वर्य और सुविधाओं की प्राप्ति के लिए भी शुक्रवार व्रत किया जाता है।

नकारात्मकता से मुक्ति – व्रत, पूजा, जप और सात्त्विक आचरण के माध्यम से मन को शांत और सकारात्मक बनाने का उद्देश्य रहता है।

आध्यात्मिक उद्देश्य

शुक्रवार व्रत का वास्तविक उद्देश्य केवल धन प्राप्त करना नहीं, बल्कि संतोष, प्रेम, करुणा, शुद्ध आचरण और कृतज्ञता को जीवन में बढ़ाना भी है। व्रत व्यक्ति को अपनी इच्छाओं पर संयम रखने और ईश्वर के प्रति श्रद्धा विकसित करने की प्रेरणा देता है।

सरल संकल्पः

“मैं शुक्रवार का व्रत श्रद्धापूर्वक धारण करती/करता हूँ। माता लक्ष्मी की कृपा से मेरे जीवन में धर्म, सुख, शांति, समृद्धि और संतोष बना रहे तथा मेरा परिवार मंगलमय रहे।”

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"